

मुझसे नफरत करती है कोई बात नहीं , लेकिन मेरी वजह से पूरी जाट community और U.P. से नफरत करना क्या सही है ?

माना लिया कि तुमको मैं पसंद नहीं , मुझे ब्लॉक किया, नंबर डिलीट किया , insta पर req. एक्सेप्ट नहीं की , मुझे दोस्त भी नहीं चाहती , नफरत करती हो लेकिन मेरी वजह से पूरी जाट community और U.P. से नफरत ये तो सही नहीं है ना ,, अगर ऐसा है तो मैं जाट तो बाद में हूँ , उससे पहले तो हिंदू हूँ और उससे पहले एक इंसान, और U.P का तो बाद में पहले इस देश का हूँ , उनसे भी नफरत करने लगोगी क्या ??

एक पूरी community से नफरत करना ठीक नहीं है , सच कहूँ तो मैं भी 12th क्लास तक मुस्लिम से नफरत करता था , यहाँ तक कि किसी मुस्लिम से मिला भी नहीं था ठीक से , फिर भी .. लेकिन जब यहाँ आया पढ़ने तो मिला एक मुस्लिम से और उसको ढंग से जानने का मौका मिला .. फिर पता चला मुस्लिम भी अच्छे होते हैं , कुछ बुरे भी होते हैं और कुछ बहुत अच्छे भी .. इसका मतलब ये तो नहीं कि पूरी मुस्लिम community से नफरत करने लगूँ .. पूरी community बुरी नहीं हो सकती एक के बुरे होने से , मैं बुरा हूँ इसका मतलब ये नहीं पूरी जाट community बुरी है या पूरा U.P बुरा है .. इसलिए मुझसे नफरत है कोई नहीं लेकिन पूरी community से नफरत मत करो |

माफ़ करना यदि बुरा लगा मेरा उसको मतलबी बोलना !

जब कोई जन्म लेता है तो उसके साथ ये जो रिश्ते हैं साथ में जन्म लेते हैं , वो किसी का भाई/बहन होता है , किसी का बेटा/बेटी , किसी का पोता/पोती वगैरह लेकिन एक रिश्ता है जो हम सब खुद बनाते हैं वो है “दोस्ती” , हम खुद चुनते हैं अपने दोस्त .. बस एक या दो ही उनमें से बेस्ट फ्रेंड होते हैं , जब तुमने कहा अभय bestie है तो सच कहूँ तो मुझे समझ नहीं आया bestie का मतलब , फिर पता चला बेस्ट फ्रेंड , तुमने कहा उससे काफी दिनों से कोई बात नहीं हो रही , मैंने उसको बिना बात के ही मतलबी बोल दिया , हो सकता है वो busy हो , लेकिन सच कहूँ तो busy कोई नहीं होता इतना तो सबके पास समय होता है 24 घंटों में अपने बेस्ट फ्रेंड्स से बात करने का , चाहे वो कितने ही दूर क्यों न हो , बेस्ट फ्रेंड्स की समय के हिसाब से priorities नहीं बदलती , उनके लिए हमेशा पहली/दूसरी priority आप होते हैं , क्योंकि मेरा बेस्ट फ्रेंड नीरज भी मुझसे 2 साल से दूर है लेकिन एक ऐसा दिन नहीं गया जिस दिन हमने आपस में बात नहीं की और हम दिन कि हर बात बांटते हैं बिना किसी संकोच के , उसे मुझपे पूरा विश्वास है और मुझे उसपे .. खैर .. मुझे लगा सबके बेस्ट फ्रेंड्स ऐसे ही होते होंगे जिनके लिए आप और सिर्फ आप पहली priority होते हैं, और मतलबी कहने का सिर्फ यही अर्थ है मेरे हिसाब से जो समय के हिसाब से priority बदल दे , .. माफ़ करना यदि बुरा लगा मेरा उसको मतलबी बोलना

क्या ये सिर्फ अट्रैक्शन (attraction) था या कुछ और ?

जानती है प्यार और अट्रैक्शन में सबसे बड़ा क्या अंतर है ?? अट्रैक्शन में वजह होती है , हो सकता है आपको किसी का रंग, कद-काठी , रहन-सहन , पहनाव पसंद हो , और भी वजह हो सकती है अट्रैक्शन की लेकिन प्यार बिना वजह के होता है , नहीं देखता कि गोरी / काली है , मेरे बराबर ऊँचाई है या नहीं , हिंदू है या मुस्लिम , सूट पहनती है या जीन्स , शाकाहारी है या अंडे खाने वाला या मांस मछली खाने वाला , कोई फर्क नहीं पड़ता उसके past से, .. कोई ऐसी फालतू की वजह नहीं चाहिए होती , बस हो जाता है और ज़िन्दगी भर रहता है |

Deeply Sorry as well as Thanks.

एक चीज़ सीखी है मैंने , फर्क नहीं पड़ता तुम किसी से कितना ही प्यार क्यों ना करते हों , किसी दूसरे को वापस आपसे प्यार के लिए नहीं समझा सकते .. जैसे मैं नहीं समझा सकता | जानती है मेरी सबसे बड़ी दिक्कत क्या है - मैं पूरे दिल से परवाह करने लग जाता हूँ उन सबकी जो मेरी थोड़ी सी भी परवाह करते हैं, हमने एक दुसरे को समझने की कभी कोशिश ही नहीं करी | मैं भी बच्चों कि तरह सिर्फ अपनी feelings-2 करता रहा , तुम्हारी feelings समझने की कोशिश ही नहीं की और हम दोनों के बीच काफी बहस हुई , हम ज्यादातर लड़ते ही रहे .. कभी ठण्डे दिमाग से मैंने तुम्हे अपनी जगह रखकर नहीं सोचा और ना ही तुमने अपने आप को मेरी जगह रख कर .. मैंने तुम्हारा काफी समय बिगाड़ा जानते हुए भी कि तुम मुझसे बहुत नफरत करती हो | कोई बिल्कुल perfect नहीं होता , मैंने बहुत सारी गलतियां की , काफी परेशान किया तुमको .. लिए **Sorry !**

जानती हो यह semester बिल्कुल अलग / special था , पहली बार अजीब सी खुशी थी , गम था , बेचैनी थी और भी फीलिंग्स थी ,, बहुत कुछ सिखाया तुमने मुझे जो कोई library की किताब या youtube का कोई लेक्चर नहीं सिखा सकता था. उसके लिए **Thanks !!**

किस्मत ने चाहा तो हम फिर मिलेंगे लेकिन अभी - “ definitely , there is fault in our stars. ”

Thanks
For
Everything !!